

राज्यपाल ने संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान के दीक्षांत समारोह में चिकित्सकों को उपाधि प्रदान की

लखनऊ : 31 अगस्त, 2019

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान के दीक्षांत समारोह में एम0डी0 के 22, डी0एम0 के 34, एम0सी0एच0 के 18, पी0एचडी0 के 6, पी0डी0सी0सी0 के 28, एम0एच0ए0 के 6 तथा बी0एससी0 नर्सिंग के 33 छात्र-छात्राओं को उपाधि प्रदान की। राज्यपाल ने आउट स्टैंडिंग रिसर्च इनवेस्टीगेटर के प्रोफेसर एस0आर0 नाईक अवार्ड से डॉ0 संजय बिहारी को, एक्सीलेंस इन रिसर्च के प्रोफेसर एस0एस0 अग्रवाल अवार्ड से डॉ0 सुव्रत आर्य को तथा बेस्ट डी0एम0 स्टूडेंट के प्रोफेसर आर0के0 शर्मा अवार्ड से डॉ0 सुव्रत आर्य और डॉ0 कृष्ण कुमार को संयुक्त रूप से सम्मानित किया। राज्यपाल ने दीक्षांत समारोह में केन्द्रीय विद्यालय के 40 बच्चों को विशेष आमंत्रि के रूप में बुलाया था ताकि बच्चे बड़े संस्थान देखें और नये सपने देखकर आगे बढ़ने की प्रेरणा लें।

राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने अपने दीक्षांत उद्बोधन में उपाधि प्राप्त करने वाले चिकित्सकों को गरीब और कमजोर वर्ग तथा ग्रामीण क्षेत्र के निवासियों को स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने के लिये ग्रामीण क्षेत्रों एवं मलिन बस्तियों में स्वास्थ्य कैंम्प लगाने का आह्वान किया। चिकित्सक कम से कम दो वर्ष अपनी सेवायें ग्रामीण क्षेत्रों में प्रदान करें। चिकित्सक दूर-दराज के गांवों में सेवा नहीं करना चाहते। जो चिकित्सक अधिक अनुभव प्राप्त करने के लिये विदेश जाते हैं उन्हें अपनी मातृभूमि के साथ बंधन बनाये रखना चाहिये क्योंकि देश ने उनकी शिक्षा पर निवेश किया है। सामाजिक उत्तरदायित्व को समझते हुये गांव-गांव तक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करायें। स्वस्थ व्यक्ति ही देश के विकास में अपना योगदान दे सकता है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा क्षेत्र में अनुसंधान पर निरन्तर ध्यान दिया जाना चाहिए।

राज्यपाल ने संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान की सराहना करते हुये कहा कि प्रदेश की जनता संस्थान से उच्चकोटि की चिकित्सा सेवाओं की अपेक्षा करती है। चिकित्सा सेवा में मानवीयता के उच्चतम मापदण्ड अपनायें। रोगी के स्वस्थ होने के लिये चिकित्सक का सहृदय होना आवश्यक है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अगले तीन वर्षों में 75 नये कालेजों के खोलने का निर्णय लिया है तथा राज्य सरकार ने भी प्रदेश में 14 नये मेडिकल कालेज खोलने के प्रस्ताव

भेजे हैं। नये मेडिकल कालेज खुलने से देश एवं प्रदेश में चिकित्सकों की संख्या बढ़ेगी और लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि इस निर्णय से उत्तर प्रदेश की तस्वीर बदलेगी।

राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2025 तक भारत को टी0बी0 रोग से मुक्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। संस्थान अपने आसपास के गांव को गोद लेकर टी0बी0 मुक्त बनाने के यज्ञ में आहुति दे। राज्यपाल ने कहा कि दैनिक जीवन में कुछ समय निकालकर सामाजिक सरोकार से संबंधित कार्यों में सहभागी बनें। आसपास के गरीब बच्चों को पढ़ाई के लिये प्रेरित करें, उनके स्वास्थ्य का ध्यान रखें, स्वच्छता का ध्यान रखें, पौधे रोपित करें, प्लास्टिक का कम प्रयोग करें, पानी का कम से कम प्रयोग कर जल संरक्षण पर ध्यान दें आदि ऐसे अनेक सामाजिक कार्य हैं, जिनको करने से जहां आपको आत्म-संतोष होगा तो वहीं आने वाली पीढ़ी को स्वच्छ पर्यावरण भी उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि जब स्वच्छ वातावरण होगा तो बीमारियाँ भी कम होंगी।

चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री सुरेश खन्ना ने संस्थान की ख्याति बढ़ाने के लिये सक्रिय सहयोग देने की बात कही। उन्होंने कहा कि एस0जी0पी0जी0आई0 से कोई मरीज बिना इलाज के न लौटे, ऐसी उनकी इच्छा है। अभी 1,250 बेड हैं, शीघ्र ही 500 बेड बढ़ेंगे। चिकित्सक विनम्रता, परोपकार और सदाचार का ध्यान रखें। आम व्यक्ति चिकित्सक को भगवान समझता है इस विश्वास को बनाये रखें। दूसरों के हित से बड़ा कोई धर्म नहीं होता। उन्होंने कहा कि काम के बोझ के बावजूद संवेदनशील बने रहें।

राज्यमंत्री चिकित्सा शिक्षा श्री संदीप सिंह ने कहा कि उपाधि प्राप्त करने वाले चिकित्सक नई तकनीक के आधार पर आम जनता को सुविधा उपलब्ध करायें। जनता के लिये परिश्रम और धैर्य से काम लें। उन्होंने कहा कि संस्थान प्रतिवर्ष विशिष्ट चिकित्सक तैयार करता है।

दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ0 हर्षवर्धन आवश्यक कार्य होने के कारण समारोह में सम्मिलित नहीं हो पाये थे। उन्होंने नई दिल्ली से अपना शुभकामना संदेश का वीडियो प्रेषित किया जिसे समारोह में प्रसारित किया गया।

दीक्षांत समारोह में स्वागत उद्बोधन मुख्य सचिव डॉ0 अनूप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दिया गया। समारोह में चिकित्सा शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव श्री रजनीश दुबे ने भी अपने विचार रखे तथा निदेशक प्रो0 राकेश कपूर ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की।



